तुलसीदास जी का परिचय

डॉ गणेश शंकर पांडे
सहायक अध्यापक
हिंदी विभाग
दुर्गा कॉलेज रायपुर

1. जीवन परिचय

गोस्वामी तुलसीदास का जन्म संवत् 1554 (सन् 1497 ई.) में उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के राजापुर नामक गाँव में हुआ।

जन्मनाम रामबोला था।

माता-पिता के निधन के बाद उनका पालन-पोषण गुरु नरहरिदास ने किया।

विवाह रत्नावली से हुआ। उनकी प्रेरणा से तुलसीदास ने वैराग्य धारण कर रामभक्ति में जीवन समर्पित कर दिया।

2. प्रमुख कृतियाँ

1. रामचरितमानस (अवधी)

2. कवितावली

3. गीतावली

4. विनय पत्रिका

5. हनुमान चालीसा

6. दोहावली

7. कृष्णगीतावली

3. साहित्यिक योगदान

तुलसीदास ने रामकथा को सरल लोकभाषा में प्रस्तुत किया।

उनकी रचनाओं में भक्ति, धर्म, नीति और आदर्श जीवन मूल्यों का समावेश है।

समाज को सत्य, प्रेम, त्याग और सेवा का संदेश दिया।

उनका साहित्य आज भी लोक में अत्यंत लोकप्रिय है।

4. भाषा-शैली

सरल, सहज और मधुर भाषा।

अवधी और ब्रज का प्रयोग।

काव्य में भावनात्मक शक्ति और लयात्मकता।

उपमा, अनुप्रास और रूपक का सुंदर प्रयोग।

5. महत्व और प्रभाव

भक्ति आंदोलन को नई दिशा दी।

उनकी कृतियों ने भारतीय जनमानस में धर्म और संस्कृति को स्थापित किया।

वे रामभक्ति के महाकवि और समाज सुधारक दोनों थे।

6. निष्कर्ष

गोस्वामी तुलसीदास हिंदी साहित्य के अमर कवि हैं। उन्होंने रामभक्ति को जन-जन तक पहुँचाया। उनकी रचनाएँ आज भी लोकजीवन में आदर्श, प्रेरणा और श्रद्धा का स्रोत बनी हुई हैं।